**डॉ. शिखा गर्ग**

**MBBS, DCH, DNB**
**Dip. Developmental Neurology**
**डेवलपमेंटल बिहेवियरल पीडियाट्रिशन**

**बैबिलॉन'स न्यूटन इंस्टिट्यूट ऑफ चाइल्ड एंड एडलोसेंट डेवलपमेंट, जयपुर**

---

# डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स का परिचय

## 1. डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स क्या है?

डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स बाल स्वास्थ्य की एक विशेष शाखा है जो बच्चों की *विकास प्रक्रिया—सीखना, सोचना, व्यवहार करना, संवाद करना और सामाजिक रूप से जुड़ना*—पर ध्यान देती है। यह विकासात्मक माइलस्टोन्स, व्यवहार सीखने और न्यूरोडेवलपमेंटल स्थितियों से संबंधित चिंताओं का मूल्यांकन करती है।

---

## 2. डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स क्यों महत्वपूर्ण है?

विकास या व्यवहार में अंतर को जल्दी पहचानने से बच्चों को सही समय पर सहायता मिलती है, जिससे

- सीखने में सुधार
- संवाद बेहतर
- भावनात्मक स्वास्थ्य मजबूत
- और दीर्घकालिक स्वतंत्रता बढ़ती है।

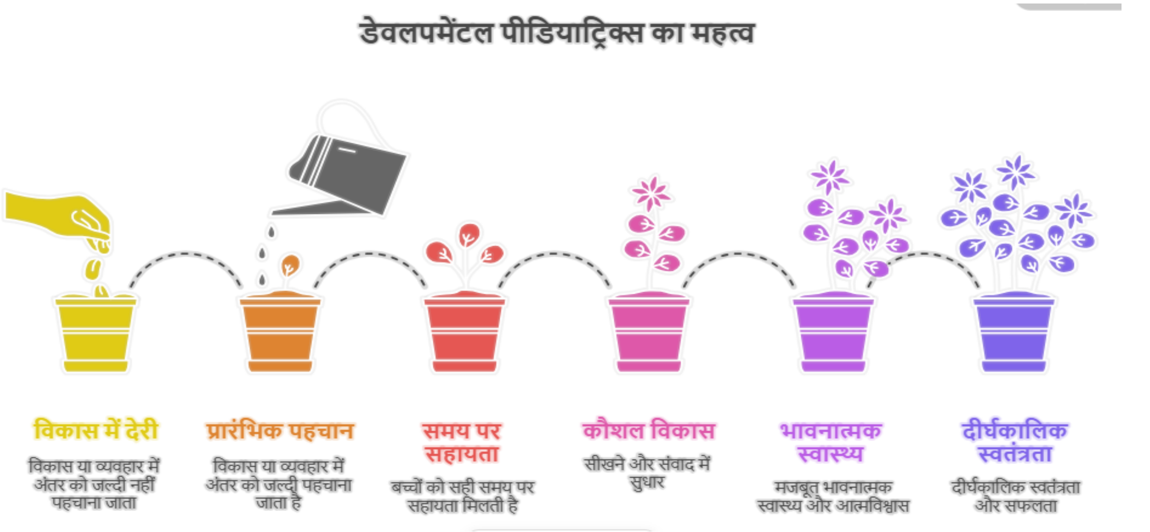


---

## 3. कौन-सी चिकित्सीय स्थितियाँ बच्चे के सामान्य विकास को प्रभावित कर सकती हैं?

- समय से पहले जन्मे (Premature) या NICU में कठिन समय वाले बच्चे
- दृष्टि संबंधी समस्याएँ
- सुनने की समस्याएँ
- ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD)
- ADHD / ध्यान संबंधी कठिनाइयाँ
- सामाजिक–संचार संबंधी विकार
- विकास में देरी

• सीखने में कठिनाइयाँ / डिसएबिलिटीज
• बौद्धिक अक्षमता
• डेवलपमेंटल कोऑर्डिनेशन डिसऑर्डर
• व्यवहार और भावनात्मक समस्याएँ
• अनुवांशिक या तंत्रिका संबंधी विकार आदि

---

## 4. डेवलपमेंटल बिहेवियरल पीडियाट्रिशन कौन होता है?

यह एक बाल-रोग विशेषज्ञ होता है जिसे विशेष प्रशिक्षण प्राप्त होता है:

• बाल विकास
• व्यवहार और भावनात्मक स्वास्थ्य
• न्यूरोडेवलपमेंटल विकार
• विकास को प्रभावित करने वाली चिकित्सीय स्थितियाँ

यह डॉक्टर *चिकित्सा* + *मनोविज्ञान* + *शिक्षा* + *थेरेपी* को जोड़कर बच्चे की जरूरतों का संपूर्ण मूल्यांकन और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

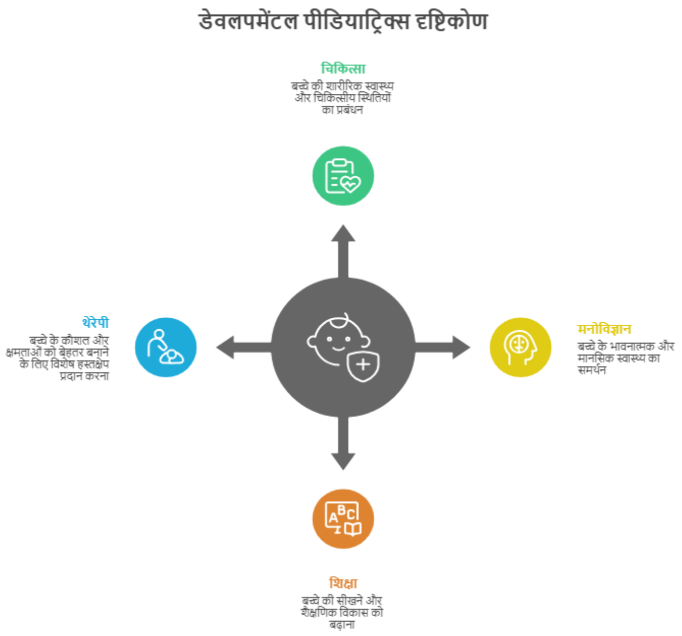


---

## 5. संदिग्ध देरी वाले बच्चे का मूल्यांकन किन क्षेत्रों में किया जाता है?

**a) कम्युनिकेशन और लैंग्वेज**

• भाषा समझने और उपयोग करने की क्षमता

• बोलने की स्पष्टता

• सामाजिक संवाद

**b) मोटर स्किल्स**

• बैठना, चलना, संतुलन

• हाथों का उपयोग और कोऑर्डिनेशन

**c) कॉग्निटिव विकास**

• समस्या-समाधान

• सीखने की गति

• स्कूल तैयारी

**d) सामाजिक और भावनात्मक कौशल**

• सहपाठियों से बातचीत

• भावनात्मक नियंत्रण

• खेल कौशल

**e) व्यवहार**

• ध्यान और फोकस

• अतिसक्रियता, आवेग

• गुस्से के दौरे, कठोरता, असामान्य व्यवहार

**f) एडेप्टिव / रोज़मर्रा के कौशल**

• खाना, कपड़े पहनना, टॉयलेट ट्रेनिंग

• स्वावलंबन

**g) चिकित्सीय कारक**

• समयपूर्व जन्म

• जेनेटिक / मेटाबॉलिक स्थितियाँ

• लंबे समय की बीमारियाँ

---

## 6. मूल्यांकन के दौरान क्या होता है?

- विस्तृत विकास और व्यवहार का इतिहास
- खेल-आधारित अवलोकन
- स्टैंडरडाइज़्ड डेवलपमेंटल / बिहेवियरल परीक्षण
- पैरेंट काउंसलिंग
- विस्तृत रिपोर्ट और प्लान
- आवश्यकता अनुसार शिक्षकों, थेरापिस्ट्स और अन्य विशेषज्ञों से समन्वय

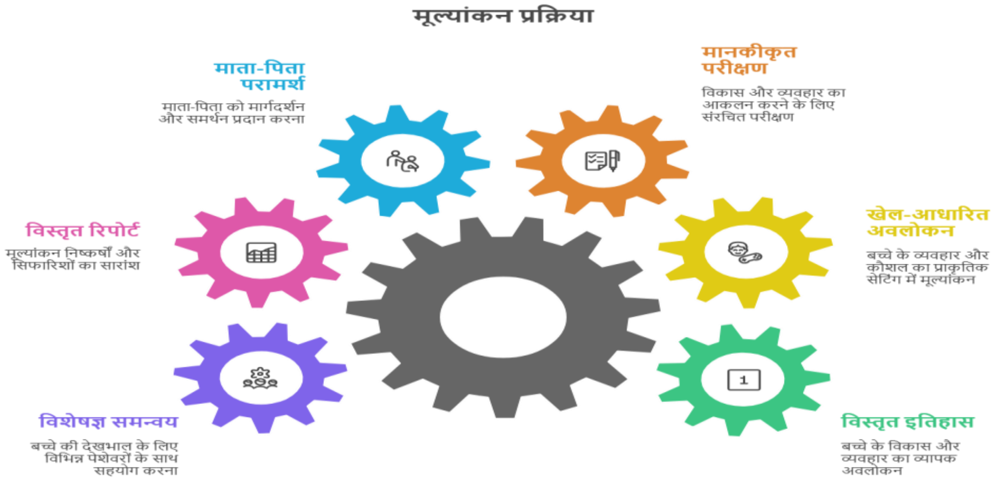


---

## 7. क्या हर बच्चे को थेरेपी की आवश्यकता होती है?

हमेशा नहीं।

डेवलपमेंटल पीडियाट्रिशन यह मार्गदर्शन करता है कि बच्चे को

— थेरेपी

— मॉनिटरिंग

— घर-आधारित रणनीतियाँ

— स्कूल सहायता

या केवल आश्वासन

किसकी आवश्यकता है।

मुख्य उद्देश्य ***हैबिलिटेशन है*** — बच्चे को उसकी गति के अनुसार कौशल सिखाना।

---

## 8. क्या बच्चा विकास संबंधी देरी से बाहर आ सकता है?

कुछ बच्चे सहायता से सुधार करते हैं, कुछ को लंबे समय तक मार्गदर्शन की आवश्यकता हो सकती है, और कुछ में ऐसी स्थितियाँ होती हैं जिन्हें सतत देखभाल चाहिए।

डेवलपमेंटल पीडियाट्रिशन माता-पिता को अपेक्षाएँ और सही समर्थन समझने में सहायता करता है।

---

## 9. इंतज़ार करने की बजाय जल्दी मार्गदर्शन क्यों बेहतर है?

इंतज़ार करने से विकास की दूरी बढ़ सकती है। जल्दी सहायता मिलने से बच्चे:

- कौशल तेजी से विकसित करते हैं
- निराशा कम होती है
- स्कूल में बेहतर ढलते हैं
- आत्मविश्वास बढ़ता है
- दीर्घकालिक कठिनाइयाँ कम होती हैं

---

## निष्कर्ष

डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स केवल कठिनाइयों को पहचानने और बच्चों को थेरेपी भेजने के बारे में नहीं है—
यह *हर बच्चे की क्षमता को प्रेरित करने*के बारे में है।